यूरोप में पुनर्जागरण के कारण

(Causes of Renaissance in Europe)

यूरोप का सांस्कृतिक और बौद्धिक पुनरुत्थान किसी एक घटना का परिणाम नहीं था, बल्कि यह अनेक कारणों का मिला-जुला प्रभाव था। इस महान परिवर्तन में असंख्य व्यक्तियों ने ज्ञान, कला और साहित्य के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया था। यूरोप में पुनर्जागरण के मुख्य कारण निम्नलिखित थे:

1. धर्म युद्ध (क्रूसेड)

पश्चिमी एशिया में ईसाई धर्म के पवित्र स्थान जेरूसलम को तुर्कों से मुक्त कराने के लिए पश्चिमी यूरोप के ईसाइयों ने लगभग 200 वर्षों तक युद्ध लड़े, जिन्हें धर्म युद्ध (क्रूसेड) कहा जाता है। इन युद्धों के कारण यूरोप के लोग पूर्वी देशों (विजेन्टाइन साम्राज्य और तुर्कों) के संपर्क में आए। पूर्वी देशों में अरबों ने यूनान और भारत के संपर्क से एक समृद्ध सभ्यता का विकास किया था। अरबों के संपर्क में आने से यूरोपवासियों ने यूनानी दार्शनिकों के ग्रंथों, अरबी अंक विद्या, बीजगणित, दिशा-सूचक यंत्र (Compass), और कागज बनाने की कला को सीखा। इस नए ज्ञान ने ईसाइयों को पुरानी संकीर्णता और अंधविश्वासों से मुक्त कर दिया। साथ ही, इन युद्धों से लोगों में भौगोलिक जिज्ञासा जगी और उन्होंने नए मार्गों की खोज की।

2. व्यापार और वाणिज्य में वृद्धि

धर्म युद्धों के कारण यूरोप और पूर्वी देशों के बीच व्यापार में भारी वृद्धि हुई। जेरूसलम और एशिया माइनर में अनेक यूरोपीय व्यापारी बस गए। इटली के व्यापारिक नगरों जैसे वेनिस, फ्लोरेंस और नेपल्स ने इस व्यापार से काफी लाभ उठाया। व्यापारी भारत और पूर्वी देशों से वस्तुएं लाकर यूरोप में बेचते थे। इन व्यापारिक संबंधों के दो बड़े परिणाम हुए: पहला, विचारों के आदान-प्रदान से बौद्धिक विकास हुआ और दूसरा, समाज में एक समृद्ध मध्यम वर्ग का

उदय हुआ। इस नए धनवान वर्ग ने ज्ञान अर्जन में गहरी रुचि दिखाई और विद्वानों को आर्थिक सहायता देकर प्रोत्साहित किया।

3. कांस्टेंटिनोपल पर तुर्कों का अधिकार (1453 ई.)

1453 ई. में तुर्कों ने कांस्टेंटिनोपल (कुस्तुनतुनिया) पर कब्ज़ा कर लिया। तुर्क एक बर्बर जाति थी जिनकी व्यापार और संस्कृति में कोई रुचि नहीं थी। उन्होंने पूर्वी देशों के साथ यूरोप के जमीनी व्यापारिक मार्ग को रोक दिया। व्यापार बंद होने के कारण यूरोपवासियों को भारत और पूर्वी देशों के लिए नए समुद्री मार्गों की खोज करनी पड़ी। दूसरी तरफ, कांस्टेंटिनोपल पर कब्जे के बाद वहाँ बसे हुए सैकड़ों यूनानी विद्वान, साहित्यकार और कलाकार अपने ग्रंथों के साथ इटली और पश्चिमी यूरोप भाग आए। इटली के नगरों ने इन विद्वानों को शरण दी, जिससे वे नवीन ज्ञान (इतिहास, भूगोल, राजनीतिशास्त्र, दर्शन और विज्ञान) के प्रमुख केंद्र बन गए।

4. कागज तथा छापेखाने का प्रयोग

कागज और छापेखाने (Printing Press) का प्रयोग पुनर्जागरण का एक बहुत महत्वपूर्ण कारण था। कागज और छापेखाने का आविष्कार चीन में हुआ था और अरबों के माध्यम से यह ज्ञान यूरोप तक पहुँचा। छापेखाने के आ जाने से कम समय में और बहुत सस्ते मूल्य पर बड़ी संख्या में पुस्तकें छापना संभव हो गया। ज्ञान और किताबों का प्रसार तेजी से पश्चिमी यूरोप के आम लोगों तक होने लगा। सस्ती पुस्तकों के कारण एक बड़ी वैचारिक क्रांति संभव हो सकी, जिसे इतिहासकारों ने 'क्लासिसिज्म' (Classicism) का नाम दिया।

5. नगरों का उत्थान तथा शिक्षित मध्यम वर्ग

व्यापार बढ़ने से इटली और पश्चिमी यूरोप में नए नगरों का उत्थान हुआ। ये नगर व्यापार और उद्योग के प्रमुख केंद्र बन गए। यहाँ के धनी व्यापारी शिक्षा और ज्ञान के प्रसार के लिए खुले हाथों से धन खर्च करते थे। फ्लोरेंस के मेडिसी परिवार का नाम इसमें विशेष रूप से उल्लेखनीय

है, जिन्होंने विद्वानों को आश्रय दिया। धनी लोग विद्वानों की सभाएं आयोजित करते थे जहाँ वाद-विवाद के माध्यम से सत्य की खोज की जाती थी। इस बौद्धिक आंदोलन को शिक्षित मध्यम वर्ग ने सक्रिय रूप से आगे बढ़ाया। उन्होंने धर्म के अंधविश्वासों को त्याग कर तर्क और 'मानववाद' को अपनाया।

6. आविष्कारों तथा खोजों का प्रभाव

विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों और खोजों ने भी पुनर्जागरण पर गहरा प्रभाव डाला। बारूद के आविष्कार से मध्ययुगीन सामंतवादी प्रणाली का अंत हो गया और शक्तिशाली राजतंत्र की स्थापना हुई। कुतुबनुमा (Mariner's compass) के आविष्कार से समुद्री यात्राएं सुरक्षित हो गईं, जिससे नाविकों ने नए देशों की खोज की। विज्ञान के क्षेत्र में, कॉपरनिकस और गैलीलियो ने पृथ्वी और नक्षत्रों के बारे में नए सिद्धांत स्थापित किए। न्यूटन ने गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत की खोज की। इन सभी भौगोलिक और वैज्ञानिक खोजों ने लोगों की सोच को पूरी तरह से बदल दिया और पुनर्जागरण को व्यापक रूप दिया।

निष्कर्षतः, यह कहा जा सकता है कि धर्म युद्धों से शुरू हुई जागरूकता, व्यापारिक समृद्धि, कांस्टेंटिनोपल का पतन, छापेखाने का आविष्कार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण ने मिलकर यूरोप को अज्ञानता के अंधकार से निकालकर पुनर्जागरण के प्रकाश की ओर अग्रसर किया।